पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

उत्तर प्रदेश भारत स्काउट एवं गाइड का राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरण समारोह सम्पन्न

लखनऊः 01 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभवन में उत्तर प्रदेश भारत स्काउट एवं गाइड के राज्य पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरण समारोह में प्रदेश के 18 मण्डलांे के चयनित स्काउट एवं गाइड को प्रमाण पत्र वितरित करके सम्मानित किया। इसके पूर्व उत्तर प्रदेश भारत स्काउट एवं गाइड संगठन के प्रादेशिक मुख्यायुक्त, डा0 अवध नरेश शर्मा, शिक्षा निदेशक (मा0) उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में श्री डी0बी0 शर्मा, शिक्षा निदेशक (बेसिक) उत्तर प्रदेश एवं श्री सवेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश ने संगठन की परम्परा के अनुसार पुष्प गुच्छ, स्कार्फ एवं बैज द्वारा राज्यपाल का स्वागत किया गया।

राज्यपाल ने इस अवसर पर स्काउट एवं गाइड को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्काउट एवं गाइड संगठन का हमारी भावी पीढ़ी को अनुशासित करने और उनमें देशभक्ति की भावना भरने मे महत्वपूर्ण योगदान है। हर चुनौती के लिये तैयार रहना स्काउट एवं गाइड की विशेषता है। बच्चों में देशप्रेम, परोपकार एवं जरूरतमंदों की मदद करने की भावना उत्पन्न करने की जरूरत है, जिससे वे भविष्य में अनुशासित एवं संवेदनशील नागरिक बनकर देश और समाज के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वाह कर सकें। अनुशासित व्यक्ति ही देश को आगे बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों में अनुशासन लाना राष्ट्रीय कर्तव्य है।

श्री नाईक ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ जनतांत्रिक देश है। आने वाले समय में दुनिया में सबसे ज्यादा युवा भारत में ही होंगे। युवा देश की अमूल्य सम्पत्ति हैं। इस सम्पत्ति का उपयोग देश के विकास में सही ढंग से करना होगा। बच्चों में अनुशासन और कठिन परिश्रम जैसे गुणों का संवर्द्धन करना चाहिये। युवा अपनी कुशलता का उपयोग सामाजिक बुराई रोकने के लिए करें। अच्छी शिक्षा से अच्छे भविष्य का निर्माण हो सकता है। विद्यार्थी क्षण-क्षण बचाकर विद्या प्राप्त करें। जिसने समय बर्बाद किया, उसको विद्या नहीं प्राप्त हो सकती। हमारे विद्यार्थी केवल किताबी कीड़े न बनें, बल्कि खेलकूद में भी भाग लें। युवा सामाजिक कुरीतियों को दूर करने, तम्बाकू विरोधी अभियान में योगदान देकर एवं कन्या भूरण हत्या जैसी बुराई को दूर करने में सहयोग करके समाज में जागरूकता फैलायें। उन्होंने कहा कि समाज को सही रास्ते पर लाने का प्रयास किया जाना चाहिये।

राज्यपाल ने कहा कि कड़ी स्पर्धा में विजय प्राप्त करने के लिए व्यक्तित्व विकास जरूरी है। बच्चों में व्यक्तित्व विकास के लिये उन्होंने चार मंत्र बताते हुए कहा कि सफल भविष्य के लिये सदैव प्रसन्नचित रह कर मुस्कराते रहे। दूसरे के अच्छे गुण की प्रशंसा करें तथा अच्छे गुणों को आत्मसात करने की कोशिश करें। दूसरों को छोटा न दिखाये और हर काम को और बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें। उन्होंने प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले बच्चों का अभिनन्दन करते हुए उनकी उज्जवल भविष्य की कामना भी की।

समारोह में राज्यपाल को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया तथा प्रादेशिक आयुक्त, श्रीमती ललिता प्रदीप ने आभार प्रकट किया।

उत्तर प्रदेश भा
राज्य पुरस्कार

देश भारत स्काउट औ
माण पत्र वितरण स
द्वारा

उत्तर प्रदेश भारत स्काउट और गाइड
पुरस्कार प्रमाण पत्र वितरण समारोह
प्रमुख सचिव
निदेशक